तापमान
अधिकतम 27 .0 डिग्री
न्यूनतम 9 .0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 14 नवंबर 2025

11 धान घोटाले की 'काली जांच' पर भडके किसान, काले कपड़े पहन फूटा गुस्सा

12 बसें न रूकने को लेकर चांदपुर के छात्रों ने जींद-कैथल मार्ग किया जाम

खबर संक्षेप

कार पलटने से आइटीबीपी के जवान की मौत, दोस्त घायल

कैथल। जिले के कैलरम-कलायत मार्ग पर वीरवार को कार पलटने से गांव गुसर के आईटीबीपी जवान 28 वर्षीय विक्रम की सड़क हादसे में मौत हो गई जबकि उसका दोस्त घायल हो गया। यह जवान अपने दोस्त किस्मत के साथ बुधवार रात के समय हांसी से करनाल में शादी समारोह में शामिल होने गया था। जब वह नरवाना की तरफ वापस लौट रहा था तो कैलरम में पास नींद की झपकी आने से उसकी कार अनियंत्रित होकर पलट गई।

गांव बाता में हुए सड़क हादसे में युवक की मौत

कैथल। गांव बात्ता में सड़क हादसे में अज्ञात वाहन व बाइक की टक्कर में बाइक सवार 22 वर्षीय युवक सौरभ की मौत हो गई। बाइक सवार पूंडरी से कलायत में किसी काम से जा रहा था। जैसे ही वह गांव बात्ता पहुंचा तो सड़क हादसे का शिकार हो गया। मामले में कलायत थाना पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अध्यापक पर हुए हमले पर जताया रोष

जींद। डेमोक्रेटिक स्कूल टीचर एसोसिएशन की बैठक जिला प्रधान हरपाल सिंह की अध्यक्षता में एकलव्य स्टेडियम में हुई। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बुढा खेड़ा लाठर में प्राध्यापक नंदकिशोर पर हुए हमले की निंदा की गई और सरकार से मांग की गई कि अध्यापकों की सुरक्षा का विशेष प्रबंध हो और आगे से इस तरह की घटना आगे से ना घटे।

डेंगू के तीन मामले मिले, कुल हुए 85

जींद। जिले डेंगू के मामले अब धीरे-धीरे बढने लगे हैं। वीरवार को स्वास्थ्य विभाग को डेंगू के तीन मामले मिले हैं। जिसके चलते अब डेंगू पॉजिटिव की संख्या बढ़कर 85 हो गई है। जबकि चिकनगुनिया के भी 13 मामले स्वास्थ्य विभाग को अबतक मिल चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग को सिवाहा का 55 वर्षीय व्यक्ति, आसन का 30 वर्षीय व्यक्ति व निडानी की 40 वर्षीय महिला की रिपोर्ट डेंगू पॉजिटिव मिली है।

दो पिस्तौल तथा सात कारतूस के साथ एक काबू

जींद। सीआईए सफीदों ने गांव सिंघाना से एक युवक को काबू कर उसके कब्जे से दो पिस्तौल तथा सात जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। सदर थाना सफीदों पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। सीआईए स्टाफ कर्मी गांव सिंघाना में गश्त कर रहे थे। उसी दौरान एक युवक पुलिस पार्टी को देखकर भागने लगा। पुलिस कर्मियों ने पीछा कर युवक को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर युवक के कब्जे से दो पिस्तौल तथा सात जिंदा कारतूस, दो मैग्जीन बरामद हुई।

कक्षा पांचवी तक की फिजिकल कक्षाएं आगामी आदेशों तक स्थगित

हरिभूमि न्यूज. जींद

धान सीजन समाप्ति की और है और अब लगातार पराली जलाने के मामले सामने आ रहे है। हर दिन तीन से चार किसानों के खिलाफ पराली जलाने के आदेशों की अवहेलना कर पराली के अवशेष जलाने पर इन्वायरमेंट पॉल्यूशन एक्ट के तहत मामले दर्ज किए जा रहे हैं। बुधवार को जहां 12 किसानों पर मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं वीरवार को भी चार किसानों पर मामले दर्ज किए हैं। अबतक 35 एफआईआर विभिन्न थानों में दर्ज हो चुकी है। वहीं लगातार पराली जलाने से जींद का वायु गुणवत्ता सूचकांक 418 पर पहुंच गया है। जो अत्यंत गंभीर स्तर पर है। इसे देखते हुए कक्षा पांचवी तक की फिजिकल कक्षाएं आगामी आदेशों तक स्थगित रखने के आदेश जारी किए गए हैं। **जींद का वायु गुणवत्ता सूचकांक 418, अत्यंत गंभीर स्तर पर:** जिला में वायु प्रदूषण कम होने का नाम नहीं ले रहा है। सुबह व शाम को वायु प्रदूषण सबसे अधिक रह रहा है। जो आमजन के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। जिले का एक्यूआई स्तर वीरवार को 418 दर्ज किया गया है। यह अस्थमा, एलर्जी और दिल के मरीजों के बेहद खतरनाक होता जा रहा है। इसलिए चिकित्सक भी घर से बाहर न निकलने की सलाह दे रहे हैं वहीं बाहर निकलते समय मास्क का प्रयोग करना भी बेहद जरूरी है।

क्योंकि बाहर खुले में सांस के माध्यम से धूल और धुएं के कण अंदर जा रहे हैं। जिससे सांस और दिल के मरीजों के लिए नुकसानदेह है। एक्यूआई स्तर बढने से नागरिक अस्पताल में भी अस्थमा, एलर्जी और चर्म रोग से पीड़ित लोगों की संख्या बढने लगी है। प्रतिदिन आने वाले हर 100 मरीजों में से कम से कम 30 मरीज ऐसे सामने रहे हैं, जिन्हें अस्थमा, एलर्जी और चर्म रोग संबंधित शिकायत है। चिकित्सकों का मानना है कि एलर्जी और अस्थमा के रोगियों की तादाद में वृद्धि का बड़ा कारण बढ़ रहा वायू प्रदूषण भी है।

जींद। नागरिक अस्पताल में दवा के लिए लगी लाइन।

पराली जलाने पर मामले दर्ज कर रही पुलिस

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बुधवार को पुलिस को दी शिकायत में बताया कि सरकार ने पराली अवशेष जलाने पर रोक लगाई हुई है। बावजूद इसके पराली का जलाया जा रहा है। विभाग को सेटेलाइट से जिले में पराली अवशेष जलाने की लोकेशन मिली है। जिसमें गांव नगूरां निवासी ईश्वर, डाहौला निवासी युद्धवीर सिंह, गांव रसीदां निवासी गुरतेज, गांव उझाना निवासी रामकेश, गांव कालवन निवासी सुरेश, धर्मपाल, रणधीर, राजेश, गांव जीवनपुर निवासी जयनारायण, गांव लिजवाना खुर्द निवासी जयसिंह, गांव बडनपुर निवासी दिलबाग, गांव खेड़ीमसानिया निवासी बिजेंद्र, गांव खरकबूरा निवासी सतीश, गांव बडौदा निवासी मनोज के खेतों में पराली जलाना पाया गया। संबंधित थाना पुलिस ने शिकायतों के आधार पर नामजद किसानों के खिलाफ मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुरुवार को यह दर्ज हुए मामले

एग्रीकल्चर सुपरवाइजर उचाना रघुवीर की शिकायत पर उचाना थाना पुलिस ने नसीब के खिलाफ अवशेष जलाने पर मामला दर्ज किया है। एग्रीकल्चर सुपरवाइजर अनीश की शिकायत पर अलेवा थाना पुलिस ने सतीश के खिलाफ आठ कनाल में पराल अवशेष जलाने पर मामला दर्ज किया है। गढी थाना पुलिस ने कृषि एवं कल्याण विभाग के एटीएम राजेश कुमार की शिकायत पर उचाना निवासी राजेंद्र के खिलाफ अवशेष जलाने पर मामला दर्ज किया है।

12 नवंबर को जिला जींद का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 418 दर्ज किया

डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि महानिदेशक, माध्यमिक शिक्षा हरियाणा पंचकूला तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जींद से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार 12 नवंबर को जिला जींद का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 418 दर्ज किया गया है। जो अत्यंत गंभीर श्रेणी में आता है। उन्होंने कहा कि उक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के हित में यह निर्णय लिया गया है कि जिला के सभी सरकारी, अद्धसरकारी एवं निजी विद्यालयों में कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों की फिजिकल ऑफलाइन कक्षाएं 13 नवंबर से आगामी आदेशों तक स्थगित रहेंगी। डीसी बोले विद्यालय प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि जहां संभव हो, वहां ऑनलाइन अथवा हाइब्रिड माध्यम से शिक्षण कार्य सुचारू रूप से जारी रखा जाए ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि वे आदेशों की सख्ती से अनुपालना सुनिश्चित करें।

वायु प्रदूषण जहर के बराबर : डा. विनिता

नागरिक अस्पताल की फिजिशियन डा. विनिता ने बताया कि अस्थमा रोगियों के लिए वायु प्रदूषण जहर के बराबर है। अस्थमा रोगियों को पहले ही सांस लेने में परेशानी आती है, वायु प्रदूषण अधिक होने से उनको और ज्यादा दिक्कत का सामना करना पड़ता है। वायु प्रदूषण की अधिकता को देखते हुए लोगों को मास्क लगाने का सुझाव दिया है।

एक्यूआई का प्रभाव

- 0-50 कोई नुकसान नहीं।
- 51-100 सामान्य बीमार लोगों के लिए थोड़ा नुकसानदायक।
- 101-200 सांस के रोगियों के लिए नुकसानदायक।
- 201-300 लोगों को सांस लेने में परेशानी।
- 301-400 आंखों में जलन व सांस लेने की परेशानी

पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी : एसडीएम पुलकित मल्होत्रा

मुआना में एक किसान ने खेत में जलाई पराली

मुआना में पराली जलती मिली एसडीएम ने दर्ज करवाई एफआईर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

एसडीएम पुलकित मल्होत्रा ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के माध्यम से फसल अवशेष प्रबंधन के लिए अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की गई हैं।

एसडीएम पुलकित मल्होत्रा गुरूवार को अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित उपमंडल के गांव खेडा खेमावती, मलिकपुर, रोहड, मुआना, साहनपुर और जयपुर सहित अनेक गांवों के दौरे पर रहे। इस दौरान मुआना में एक किसान के खेत में पराली जलती मिली। जिस पर एसडीएम ने संबंधित किसान के खिलाफ मौके पर ही एफआईआर भी दर्ज करवाई। एसडीएम ने फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर किसानों को जागरूक किया। इस मौके पर उनके साथ कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की टीम, एसडीओ कृषि सुशील कुमार, संबंधित पटवारी, ग्राम सचिव व तहसीलदार राजेश गर्ग मौजूद थे।

एसडीएम पुलकित मल्होत्रा ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के माध्यम से फसल अवशेष प्रबंधन के लिए अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की गई हैं। किसानों को चाहिए कि वे इन स्कीमों का लाभ उठा कर वैज्ञानिक व आधुनिक तरीके से अवशेषों का प्रबंध करें। सरकार द्वारा सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम, रोटावेटर, जीरो टिल सीड ड्रिल, हैप्पी सीडर, श्रेडर और बेलर जैसी मशीनों पर अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है ताकि किसानों को आर्थिक बोझ न उठाना पड़े और फसल अवशेषों का उपयोग खाद या चारे के रूप में किया जा सके।

एसडीएम ने कहा कि पराली या अन्य अवशेषों को जलाने से वायु प्रदूषण में बढ़ोत्तरी होती है। जिससे न केवल पर्यावरण को क्षति पहुंचती है बल्कि पशुओं के लिए चारे की भी भारी कमी उत्पन्न हो जाती है। इसलिए फसल अवशेषों में आग लगाने से बचें। यह समस्या केवल स्थानीय स्तर पर ही नही बल्कि पूरे प्रदेश और देश के पर्यावरण को प्रभावित करती है।

एसडीएम पुलकित मल्होत्रा ने कहा कि ग्राम सचिव और पटवारी प्रतिदिन गांवों के खेतों का दौरा करें और वहां मुनादी के माध्यम से किसानों को जागरूक करें। इसके साथ ही प्रत्येक ग्राम पंचायत में सरपंचों के माध्यम से इस विषय पर विशेष जागरूक किया जाए ताकि किसान समझ सकें कि खेतों में आग लगाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति घटती है, लाभदायक जीवाणु मर जाते हैं और अगली फसल की उत्पादकता पर भी असर पड़ता है। यदि किसी किसान को पराली प्रबंधन में कठिनाई आती है तो संबंधित कृषि अधिकारी तत्परता से उसकी सहायता करें। एसडीएम पुलकित मल्होत्रा ने कहा कि यह सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जाए। यदि कहीं भी पराली जलाने का मामला सामने आता है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जींद। किसानों को जागरूक करते हुए एसडीएम।

एसडीएम ने खुद खेत में जाकर धान के अवशेष में लगी आग बुझाई, गांवों में निकाला फ्लैग मार्च

उचाना। उचाना एसडीएम दलजीत सिंह ने गुरूवार को उचाना उपमंडल के संबंधित अधिकारियों के साथ गुरूवार को अनेक गांवों में फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च के दौरान एसडीएम ने गुरूकुल खेड़ा गांव के खेत में पराली में लगी आग को फायर ब्रिगेड की गाड़ी की सहायता से बुझाया। एसडीएम ने ग्रामीणों से मिल कर धान के अवशेष न जलाने की अपील की। एसडीएम ने अधिकारियों के काफिले के साथ अपने फ्लैग मार्च की गांव बड़ौदा से शुरुआत की और उसके बाद गांव घोघडिया, करसिंधु, गुरूकुल खेड़ा सहित विभिन्न गांव में जाकर किसानों को पराली यानी धान अवशेष न जलाने की अपील की। एसडीएम दलजीत सिंह ने बताया कि अवशेष जलाना सामाजिक बुराई ही नहीं बल्कि कानूनी अपराध भी है और इससे प्रकृति, जमीन तथा मानव जीवन पर अत्यंत गंभीर व प्रतिकूल प्रभाव पड़ते हैं। जिससे जमीन की उर्वरा शक्ति नष्ट होने के साथ-साथ प्राकृतिक प्रदूषण की वजह से मनुष्य भी अनेक जानलेवा बीमारियों का शिकार होता है। इस दौरान एसडीएम के साथ बीडीपीओ शमशेर सिंह, रामबिलास कानूनगो, थाना प्रभारी दिलबाग सिंह, एएसीओ डा. संतकुमार मलिक, सुपरवाइजर सचिन भारद्वाज सहित कर्मचारी एवं किसान मौजूद रहे।

पराली जलाने पर सात लोगों पर मामले दर्ज

जींद। जिले में पराली अवशेष जलाने का सिलसिला लगातार जारी है। आदेशों की अवहेलना कर पराली के अवशेष जलाने पर जिला पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ इन्वायरमेंट पॉल्यूशन एक्ट के तहत मामले दर्ज किए हैं। अब पुलिस 78 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर चुकी है। पुलिस मामलों की जांच कर रही है।

पराली के अवशेष न जलाएं किसान

कैथल। जिला पुलिस द्वारा पराली जलाने से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के उद्देश्य से गांव-गांव जाकर किसानों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। पुलिस की टीमें खेतों में व गांवों में जाकर किसानों से सीधा संवाद कर रही हैं और उन्हें पराली जलाने से होने वाले नुकसान बारे विस्तार से समझा रही हैं।

पराली से भरी ट्राली जली

कलायत। कलायत-ढूंढवा नव निर्मित मार्ग पर बृहस्पतिवार सुबह पराली से भरी ट्राली अचानक आग धधक उठी। आग इतनी तेजी से भडकी कि कुछ ही मिनटों में पूरी ट्राली धू-धू कर जल उठी। हादसे के समय गांव ढूंढवा निवासी किसान प्रेम और उनका सहयोगी भी वाहन में मौजूद थे।

जुलाना। स्कूल में पंचायत में भाग लेते ग्रामीण।

बुढ़ाखेड़ा लाठर में अध्यापक मामले में हुई पंचायत

अभिभावकों ने स्कूल से लिए तीनों छात्रों के एसएलसी

हरिभूमि न्यूज. जुलाना

- धरनारत शिक्षक माने, शुक्रवार से लगेगा स्कूल

जुलाना क्षेत्र के बुढ़ा खेड़ा गांव के राजकीय स्कूल में चल रहा अध्यापकों का धरना गुरूवार को समाप्त हो गया। अब शुक्रवार से नियमित स्कूल लगेगा। स्कूल में पूरा दिन पंचायतों का दौर चलता रहा। पंचायत में फैसला लिया गया कि कल से स्कूल को खोला जाएगा और स्कूल में शिक्षकों की सुरक्षा की जिम्मेवारी ग्रामीणों ने खुद करने की जिम्मेवारी ली है। घटना के दो दिन बाद स्कूल में शिक्षा विभाग की टीम पहुंची। टीम में जिला उप शिक्षा अधिकारी प्रदीप दहिया, कार्यवाहक खंड शिक्षा अधिकारी देवेंद्र फोगाट स्कूल में पहुंचे और घटना की जानकारी अध्यापकों से ली। अधिकारियों ने शिक्षकों को बताया कि पुलिस ने आरोपी छात्रों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। वहीं स्कूल प्रांगण में पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत की अध्यक्षता गांव के पूर्व अध्यापक जयसिंह ने की। जयसिंह मास्टर ने कहा कि स्कूल में छात्रों द्वारा की गई वारदात निंदनीय है और पूरा गांव घटना को लेकर स्तब्ध है। छात्रों को अध्यापक पर वार नही करना चाहिए था। पंचायत में छात्रों के अभिभावकों ने कहा कि वो घटना को लेकर काफी शर्मिंदा हैं और अपनी स्वेच्छा से अपने बच्चों का स्कूल का प्रमाण पत्र लेने का निर्णय लिया है। तीनों छात्रों के अभिभावकों ने अनुशासन हीनता को लेकर लिखित में स्कूल स्टाफ को प्रमाण पत्र लेने की मांग की है।

जिला में पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली सुचारू रूप से संचालित : डीसी

जींद। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने स्पष्ट किया है कि जिले के सभी रजिस्ट्री कार्यालय पूरी तरह से कार्यरत हैं और पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली के तहत नागरिकों को निरंतर एवं सुगम सेवाएं मिल रही हैं। राज्य सरकार द्वारा लागू की गई यह प्रणाली पारदर्शिता, समयबद्धता और नागरिक सुविधा की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उपायुक्त ने बताया कि पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली के शुभारंभ के बाद से जिले में बड़ी संख्या में आवेदनों की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। रजिस्ट्री प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल बनाए जाने से न केवल समय की बचत हुई है बल्कि अनावश्यक दस्तावेजी औपचारिकताओं में भी कमी आई है। नागरिक अब ऑनलाइन आवेदन, सत्यापन और नियुक्ति तिथि प्राप्त कर सकते हैं। जिससे उन्हें रजिस्ट्री कार्यालयों के बार.बार चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं।

सभी तहसीलों में हो हेल्प डेस्क स्थापित

पेपरलेस रजिस्ट्री से संबंधित कोई भी हेल्प डेस्क से ले सकता है जानकारी

- जिला में ऑनलाइन व्यवस्था से हो चुकी है 146 रजिस्ट्रियां
- सरकार द्वारा लागू की गई प्रणाली में पारदर्शिता : एडीसी

हरिभूमि न्यूज. जींद

एडीसी विवेक आर्य ने स्पष्ट किया है कि जिले के सभी रजिस्ट्री कार्यालय पूरी तरह से कार्यरत हैं और पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली के तहत नागरिकों को निरंतर एवं सुगम सेवाएं मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि सभी तहसीलों में तहसीलदार हेल्प डेस्क स्थापित करवाना सुनिश्चित करें ताकि किसी भी व्यक्ति को पेपरलेस रजिस्ट्री से संबंधित जानकारी प्राप्त करनी हो तो वे हेल्प डेस्क के माध्यम से प्राप्त कर सकता है। व्यक्ति को फिर भी कोई समस्या है तो वो टोल फ्री पर संपर्क कर सहायता प्रदान कर सकता है।

पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली लागू

जिला में ऑनलाइन व्यवस्था से अब तक 146 रजिस्ट्रियां हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा लागू की गई यह प्रणाली पारदर्शिता, समयबद्धता और नागरिक सुविधा की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह निर्देश एडीसी विवेक आर्य ने गुरूवार को स्थानीय लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में अधिकारियों को दिए। इससे पहले वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये हरियाणा की एसीएस और वित्तायुक्त डा. सुमिता मिश्रा ने पेपरलेस रजिस्ट्री को सुचारू रूप से संचालित करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एडीसी विवेक आर्य ने बताया कि पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली के शुभारंभ के बाद से जिले में बड़ी संख्या में आवेदनों की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है।

पेपरलेस रजिस्ट्री आमजन को जागरूक करने तथा पेपरलेस रजिस्ट्री प्रक्रिया में तेजी के दिए निर्देश

पेपरलेस रजिस्ट्री के लिए तहसीलों में हेल्प डेस्क स्थापित करें अधिकारी

हरिभूमि न्यूज. कैथल

एडीसी कम सीईओ जिला परिषद सुरेश राविश ने कहा कि नागरिकों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से हरियाणा सरकार द्वारा पेपरलेस सिस्टम शुरू किया गया है। सभी संबंधित अधिकारी इस विषय को गंभीरता से लें। आमजन को जागरूक करें कि वे सरकार द्वारा शुरू की गई ई-रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर अधिक से अधिक कागज रहित पंजीकरण करवाकर अपनी रजिस्टरी पंजीकृत करवाएं। वहीं पोर्टल पर प्राप्त होने वाले आवेदनों का समयबद्ध निपटान करते हुए पेपरलेस रजिस्ट्री प्रक्रिया में तेजी लाएं। इसके लिए सभी तहसीलों में हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएं।

एडीसी कम सीईओ जिला परिषद सुरेश राविश वीरवार को लघु सचिवालय के वीडियो कांफ्रेंस हाल में पेपरलेस रजिस्ट्री सिस्टम को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे थे। इससे पहले वित्त आयुक्त (राजस्व) डॉ. सुमिता मिश्रा ने वीसी के माध्यम से प्रदेश के सभी उपायुक्तों एवं राजस्व अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पेपरलेस रजिस्ट्री सिस्टम सरकार का सबसे बड़ा व्यवस्था परिवर्तन है। इसे गंभीरता से लें। कम से कम समय में रजिस्ट्री प्रक्रिया को पहले की तरह सामान्य स्थिति में लेकर आएं।

कैथल। एडीसी कम सीईओ जिला परिषद सुरेश राविश वीसी के माध्यम से अधिकारियों को संबोधित करते हुए

कागज रहित पंजीकरण के लिए कुल 95 आवेदन प्राप्त हुए

एडीसी कम सीईओ जिला परिषद सुरेश राविश ने बताया कि अब तक जिला में ई-रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर कागज रहित पंजीकरण के लिए कुल 95 आवेदन प्राप्त हुए हैं, इनमें से कुल 24 लोगों की वसीका पंजीकृत हो चुकी है। अन्य आवेदनों का जल्द निपटान किया जा रहा है। उन्होंने जिला राजस्व अधिकारी को निर्देश दिए कि वे सभी तहसीलों में हो रही पेपरलेस रजिस्ट्री प्रक्रिया को मॉनिटर करें।

सभी रजिस्ट्री कार्यालय पूरी तरह कार्यशील

कैथल। जिला में सभी रजिस्ट्री कार्यालय सुचारू रूप से कार्य कर रहे हैं और किसी भी पेपरलेस रजिस्ट्री सेवा को स्थगित नहीं किया गया है। एक नवंबर, 2025 से प्रारंभ किया गया पेपरलेस रजिस्ट्री सिस्टम कुशलतापूर्वक कार्य कर रहा है। जिला में पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली सुचारू रूप से संचालित है। डीसी प्रीति ने बताया कि नया पेपरलेस सिस्टम नागरिकों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। नए प्रावधानों के तहत विभाग को आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों की जांच के लिए पांच कार्य दिवसों का समय निर्धारित किया गया है। डीसी ने बताया कि राज्यव्यापी शुरुआत से पहले विभाग ने इस सिस्टम का पायलट प्रोजेक्ट चलाया था, जिसके दौरान तकनीकी या प्रक्रियात्मक कमियों की पहचान कर उन्हें दूर किया गया। सफल परीक्षणों के बाद इसे पूरे हरियाणा में लागू किया गया। उन्होंने कहा कि किसी भी नए सिस्टम की तरह प्रारंभिक चरण में कुछ चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन विभाग ने इसके लिए व्यापक शिकायत निवारण तंत्र स्थापित किया है, ताकि नागरिकों की शिकायतों और सुझावों पर त्वरित कार्रवाई की जा सके। उन्होंने बताया कि नागरिकों और अधिकारियों से मिले सुझावों के आधार पर कई सुधार किए गए हैं। हाउसिंग बोर्ड और एचएसवीपी (हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण) से जुड़े मामलों में खेवट-खतौनी की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि पंजीकरण नगर निकायों द्वारा प्रदत्त प्रॉपर्टी आईडी के माध्यम से किया जा रहा है। लाइसेंस नंबर दर्ज करते ही सिस्टम में संबंधित डाटा स्वतः प्रदर्शित हो जाता है। पुराने शहर क्षेत्रों के रिकार्ड से खेवट-खसरा कॉलम हटा दिए गए हैं, जिससे नागरिक अगले कार्य दिवस से अपॉइंटमेंट बुक कर सकते हैं।

टीवी चाइल्ड आर्टिस्ट्स

अच्छे-अच्छे कामों के साथ फुल एंज्वॉयमेंट

बच्चो, सोचो जरा चिल्ड्रेंस-डे पर अगर कोई एंजेल आकर तीन विशेज मांगने को कहे तो क्या मांगोगे या फिर अगर कोई सुपर पॉवर मिल जाए तो क्या करना चाहोगे? ये सवाल **बालभूमि** ने पूछे टीवी शोज के चाइल्ड आर्टिस्ट्स से। साथ में यह भी पूछा कि वे चिल्ड्रेंस-डे कैसे सेलिब्रेट करते हैं, इनके बालभूमि के अपने नन्हे दोस्तों के लिए क्या मैसेज हैं?

बच्चों के लिए एक नो-जजमेंट-जोन बनाना चाहूंगा: सुभान खान

सोनी सब के शो 'गाथा शिव परिवार की-गणेश कार्तिकेय' में बाल कार्तिकेय की भूमिका सुभान खान निभा रहा है। उससे जब पूछा गया कि अगर कोई एंजेल उसकी तीन विशेज पूछे तो वह क्या होगी, उसने एक पल सोचा फिर बोला, 'मेरी पहली विश होगी कि दुनिया में एक भी बच्चा भूखा न रहे। हर बच्चे को शिक्षा मिले। हर बच्चे के चेहरे पर बिग स्माइल हो। एंजेल से मेरी दूसरी विश होगी कि मेरे सारे फैंस और दोस्त खूब टैलेंटेड बनें, उन्हें सक्सेस मिले। मेरी तीसरी विश होगी कि मुझे हमेशा अच्छे शोज में काम करने का मौका मिले ताकि मैं अपने ऑडियंस को एंटरटेन करता रहूं।' सुभान खान को अगर सुपर-पॉवर मिल जाए तो वह क्या करेगा, पूछने पर वह जवाब देता है, 'अगर मुझे सुपर-पॉवर मिल जाए तो मैं सबसे पहले यह श्योर करूंगा कि दुनिया के हर बच्चे को राइट-टू-एजुकेशन के साथ, राइट-टू-इमोशनल-सपोर्ट मिले। मैं बच्चों के लिए एक 'नो-जजमेंट-जोन' बनाना चाहूंगा, जहां कोई भी उन्हें उनके लुक्स, मार्क्स या सपनों के लिए जज न करे। उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए पूरी आजादी मिले।' सुभान चिल्ड्रेंस-डे कैसे सेलिब्रेट करता है, वह बताता है, 'हम सेट पर ही केक काटते हैं, चॉकलेट्स शेयर करते हैं और जमकर मस्ती करते हैं।' चिल्ड्रेंस-डे के अवसर पर सुभान 'बालभूमि' के अपने दोस्तों के लिए मैसेज देता है, 'मैं बस इतना कहना चाहूंगा कि नेवर स्टॉप ड्रीमिंग। आप जो भी बनना चाहते हैं, उसके लिए मेहनत करें। हैप्पी चिल्ड्रेंस-डे।' *

सड़क पर रहने वालों के लिए घर बनवाऊंगा: सैयांश गुप्ता

सोनी सब चैनल के पॉपुलर शो 'इत्ती सी खुशी' में बनी दिवेकर का रोल निभा रहे सैयांश गुप्ता से जब चिल्ड्रेंस-डे पर किसी एंजेल से मिलने और तीन विशेज पूरी करने के बारे में पूछा जाता है तो वह बड़े भोलेपन से कहता है, 'मैं एंजेल से बहुत सारे खिलौने और टेडी बियर मांगूंगा। मैं दूसरी विश मांगूंगा कि मैं इतना सक्सेसफुल बन जाऊं, जिससे मेरे मम्मी-पापा को मुझ पर प्राउड फील हो। तीसरे विश में मैं एंजेल से सभी के लिए खुशियां मांगूंगा।' अगर सैयांश को सुपर पॉवर मिल जाए तो वह क्या करेगा, वह बताता है, 'यदि मुझे सुपर पॉवर मिलेगी, तो मैं ऐसे लोगों के लिए घर बनवाऊंगा, जो सड़कों पर रहने को मजबूर हैं। उन लोगों को खाना खिलाऊंगा, जिन्हें पेटभर खाना नहीं मिल पाता। मैं चाहता हूं कि कोई भी इंसान भूखा या बेघर न रहे।' सैयांश इस बार कुछ अलग ढंग से चिल्ड्रेंस-डे सेलिब्रेट करने की सोच रहा है। वह बताता है, 'मैं हर साल चिल्ड्रेंस-डे अपने फ्रेंड्स के साथ खूब एंज्वॉय करता हूं। इस बार मैं कुछ अलग करना चाहता हूं। मैंने तय किया है कि मैं चिल्ड्रेंस-डे पर जरूरतमंद बच्चों को खाना खिलाऊंगा और पूरा दिन उन्हीं के साथ बिताऊंगा। उनके साथ मेरा दिन भी खास बन जाएगा, क्योंकि मुझे कई सारे चेहरों पर मीठी-मीठी मुस्कुराहट देखने को मिलेगी।'

सैयांश का 'बालभूमि' के अपने दोस्तों को मैसेज है, 'मैं अपने दोस्तों से यही कहना चाहूंगा कि खूब खाओ-पीयो और मस्ती करो। खूब धमाल मचाओ, लेकिन किसी को परेशान मत करो। आप अच्छे बनकर रहेंगे तो सभी आपके साथ अच्छा व्यवहार करेंगे, आपसे प्यार करेंगे।' * प्रस्तुति: बालभूमि फीचर्स

मेरी विश होगी मुझे ऑस्कर अवार्ड मिले: हरीति जोशी

हरीति जोशी इन दिनों सन नियो चैनल के शो 'दिव्य प्रेम : प्यार और रहस्य की कहानी' में तारा का किरदार निभा रही है। वह हंसते हुए कहती है, 'अगर कोई एंजेल आकर मेरी तीन विशेज पूरी करने की बात कहे, तो मैं उससे पहली विश मांगूंगी कि मुझे ऑस्कर अवॉर्ड मिले, ताकि मेरे परिवार और देश का नाम रोशन हो। मेरी दूसरी विश होगी कि मैं क्रूज वैकेशन पर जाऊं, जहां मैं समंदर के बीच मजे करूं। मेरी तीसरी विश होगी कि हमारा भारत एजुकेशन में दुनिया में सबसे आगे हो, यहां हर बच्चा अच्छे स्कूल में पढ़े और सभी को अच्छी से अच्छी शिक्षा मिले।' हरीति नेचर और एनवॉयर्नमेंट को लेकर भी काफी अवेयर है। वह कहती है, 'अगर मुझे कोई सुपर पॉवर मिल जाए तो मैं सबसे पहले अपने पर्यावरण को बचाना चाहूंगी। मैं पेड़ों को काटने से रोकूंगी, हर जगह पेड़ लगवाऊंगी और नदियों को साफ रखूंगी। मैं चाहूंगी कि हमारी धरती हमेशा हरी-भरी और खूबसूरत रहे।' हरीति ने वैसे तो इस बार चिल्ड्रेंस-डे को लेकर कुछ खास प्लानिंग नहीं की है, लेकिन उसे सेट पर किसी सरप्राइज की उम्मीद है। वह बताती है, 'इस बार मैं अपने शो के सेट पर ही चिल्ड्रेंस-डे सेलिब्रेट करूंगी। इसके अलावा मैं स्कूल और अपने घर के आस-पास के बच्चों को चॉकलेट्स भी बांटूंगी।' चिल्ड्रेंस-डे पर हरीति 'बालभूमि' के अपने दोस्तों को यह मैसेज देती है, 'अपने सभी दोस्तों से मैं यही कहूंगी कि हमेशा खुश रहें, स्ट्रॉन्ग बनें और अपने सपनों को साकार करें। बड़ों की बात मानें, पढ़ाई करें, खेलें और खुश रहें।' *

प्रेरणा / विनय कुमार पाठक

कुछ बच्चे अपनी पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ अपने इनोवेटिव आइडियाज से दूसरों की हेल्प भी करते हैं। इन्हीं लोगों में है अमेरिका में रहने वाली भारतीय मूल की किशोरी तेजस्वी मनोज। तेजस्वी को टाइम मैग्जीन ने 'किड ऑफ द ईयर' चुना है।

सीनियर सिटीजंस को साइबर क्राइम से बचा रही है मल्टी-टैलेंटेड तेजस्वी मनोज

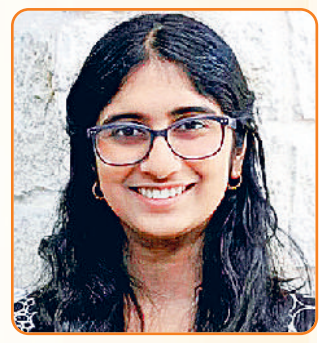

बच्चो, प्रतिष्ठित टाइम मैग्जीन ने अमेरिका में रहने वाली भारतीय मूल की 17 वर्षीया तेजस्वी मनोज को 'किड ऑफ द ईयर-2025' चुना है। तेजस्वी अमेरिका के टेक्सास राज्य के लेबनान ट्रेल हाई स्कूल में पढ़ती है। तुम जरूर जानना चाहोगे कि तेजस्वी ने आखिर ऐसा क्या किया, जो उसे यह प्रतिष्ठित सम्मान मिला है।

तेजस्वी मनोज की उपलब्धि: तेजस्वी ने कुछ समय पूर्व 'शील्ड सीनियर' नाम की एक वेबसाइट बनाई। इस वेबसाइट पर बुजुर्गों को सिखाया जाता है कि किस तरह वे संदिग्ध ई-मेल या मैसेज को पहचानें और उसकी कहां रिपोर्ट करें? साथ ही साइबर फ्रॉड से कैसे बचें? टाइम मैग्जीन ने 'शील्ड सीनियर' की फाउंडर तेजस्वी को उसकी इस उपलब्धि के लिए न केवल 'किड ऑफ द ईयर' चुना है, साथ ही मैग्जीन में तेजस्वी की इस उपलब्धि और उसके काम पर विशेष आलेख भी प्रकाशित किया गया है।

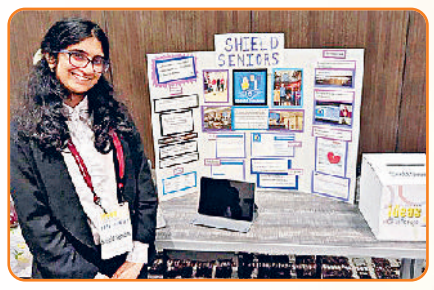

कहां से मिली प्रेरणा: तेजस्वी को 'शील्ड सीनियर' बनाने की प्रेरणा एक घटना से मिली। एक दिन उसने सुना कि साइबर ठगों ने उसके दादाजी को धोखा देने की कोशिश की। यह बात सुनकर तेजस्वी सोच में पड़ गई, 'अगर मेरे दादाजी के साथ ऐसा हो सकता है, तो इससे कितने और बूढ़े लोग परेशान होते होंगे?' उसने इंटरनेट पर खोजबीन शुरू की और पाया कि 2024 में करीब 8,60,000 साइबर स्कैम हुए, जिनसे लोगों के लगभग 16 बिलियन डॉलर ठगे गए। इनमें से एक तिहाई से अधिक रकम 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों से ठगी गई थी। तेजस्वी को यह देखकर बहुत चिंता हुई। उसने निश्चय किया कि वह सीनियर सिटीजंस को इन धोखेबाजों से बचाने के लिए कुछ करेगी। एक साल के भीतर ही उसने 'शील्ड सीनियर' नाम की वेबसाइट बना डाली।

मल्टी-टैलेंटेड है तेजस्वी: तेजस्वी बहुमुखी प्रतिभा की धनी है। वह स्काउटिंग अमेरिका की सक्रिय सदस्य है। वह बहुत अच्छा वायलिन बजाती है। वह अपने स्कूल की ऑर्केस्ट्रा टीम में भी शामिल है। साथ ही एक एनजीओ के साथ मिलकर शरणार्थी बच्चों को गणित और अंग्रेजी पढ़ाती है।

बच्चो, तेजस्वी हमें इस बात के लिए प्रेरित करती है कि उम्र छोटी हो या बड़ी, अगर हम ठान लें तो किसी भी समस्या का हल खोज सकते हैं। *

कविता / अखिलेश श्रीवास्तव चमन

पापा तुमने कभी न जाना

पापा तुमने कभी न जाना
क्यों हम गुमसुम होते हैं।
मम्मी तुमने कभी न समझा
आखिर क्यों हम रोते हैं।
नींद नहीं पूरी हो पाती
सुबह जागना पड़ता है।
हड़बड़-तड़बड़ भारी बस्ता
लाद भागना पड़ता है।
सब कहते पढ़ने-लिखने को
विद्यालय हो चाहे घर।
कोई कभी नहीं कहता कि
बच्चों खेलो जी भरकर।
नहीं चाहिए हमें खिलौने
नहीं चॉकलेट, ना टॉफी
मम्मी प्यार करो, दुलराओ
बस इतना ही है काफी।
थोड़ा समय हमें दो पापा
धंधे से छुट्टी पाकर।
कभी तो बैठो पास हमारे
ऑफिस से जल्दी आकर।
पापा हमसे कहें कहानी
मम्मी हमको दुलराएं।
फिर तो हम खुश रहें हमेशा
कभी न रोएं, चिल्लाएं।

एआई इमेज

कहानी
गोविंद भारद्वाज

समझदारी और साहस हो तो बच्चे क्या नहीं कर सकते! यश और हर्ष ने एक बच्चे को टी-स्टॉल पर पिटते देखा तो दोनों ने जाकर उसे बचाया। पता चला टी-स्टॉल का मालिक उस बच्चे से बाल मजदूरी कराता है। क्या यश और हर्ष उस बच्चे की कोई मदद कर सके, टी-स्टॉल वाले को सबक सिखा सके?

नन्हे जागरूक

यश और हर्ष दोनों सगे भाई हैं। वे हमेशा एक-दूसरे के साथ रहते हैं। स्कूल भी साथ ही आया-जाया करते हैं। उन दोनों भाइयों में आपस में बहुत प्यार है, कभी आपस में लड़ते-झगड़ते नहीं हैं। दोनों भाई समझदार और साहसी हैं। एक शाम दोनों भाई बाजार जा रहे थे। रास्ते में एक चाय की दुकान के सामने काफी भीड़ जमा देखी। यश ने पूछा, 'हर्ष, यहां पर इतनी भीड़ क्यों जमा है?'

'मुझे तो किसी लड़के की रोने की आवाज आ रही है। लगता है कोई किसी बच्चे को पीट रहा है।' हर्ष भीड़ से आ रहे शोर को ध्यान से सुनते हुए बोला।

दोनों भाई तेज कदमों से भीड़ के पास गए। उन्होंने देखा, एक आदमी दस-बारह साल के बच्चे को बुरी तरह से पीट रहा है। खड़ी भीड़ सिर्फ तमाशा देख रही है। कोई भी उस बच्चे को बचाने का प्रयास नहीं कर रहा है। यश और हर्ष को यह सब देखकर बहुत बुरा लगा। दोनों को बहुत गुस्सा आया। यश ने उस आदमी को रोकते हुए पूछा, 'अंकल, आप इस बच्चे को क्यों पीट रहे हैं?' 'तुम कौन होते हो मुझसे यह पूछने वाले... चलो फूटो यहां से।' आदमी गुस्से से बोला।

यह सुन यश-हर्ष को और ज्यादा तेज गुस्सा आ गया। यश ने बच्चे का हाथ पकड़ा और बोला, 'मैं हूं यश और यह है हर्ष। अब बताएं आप इसे क्यों मार रहे हैं?'

वह आदमी गुस्से से बोला, 'इसने मेरा नुकसान किया है।' 'कैसा नुकसान?' यश ने तुरंत पूछा।

'इसने कांच के गिलास धोते समय तोड़ दिए हैं।' वह आदमी, जो टी-स्टॉल का मालिक था, गुस्से से लाल होकर बोला।

'क्या आप इसे अपने टी-स्टॉल पर नौकर रखकर इससे जूठे गिलास, बर्तन धुलवाते हैं?' हर्ष ने कुछ तेज स्वर में पूछा। टी-स्टॉल वाला बोला, 'क्यों नहीं धुलवाऊं गिलास, कप-प्लेट, बर्तन। पूरे पांच सौ रुपए देता हूं इसे हर महीने।' हर्ष फिर पलट कर बोला, 'इसका मतलब यह हुआ कि आप एक गरीब बच्चे से मजदूरी करवा रहे हैं, बाल मजदूरी। आपको पता होना चाहिए कि छोटे बच्चे को मजदूरी पर रखना कानूनन जुर्म है?'

'जुर्म... कैसा जुर्म?' टी-स्टॉल वाले ने आश्चर्य और गुस्से से पूछा।

'इसकी पढ़ने की उम्र में आपने इसे काम पर रख रखा है। दूसरा यह कि यह नाबालिग है, फिर भी आपने इसे काम पर रखा है। ऊपर से आप इसे पूरा मेहनताना भी नहीं दे रहे हैं। ये सब अपराध की श्रेणी में ही आता है अंकल जी... ।' यश ने अंगुलियों पर चाय वाले के जुर्म गिना दिए। यश की ये सब कानूनी बातें सुनकर टी-स्टॉल वाले का दिमाग चकरा गया, उसने पूछा, 'तुम बच्चों को कैसे पता... ये कानूनी बातें?'

हर्ष ने मुस्कुराते हुए बताया, 'अंकल, समय-समय पर हमारे स्कूल में इस बारे में जानकारियां दी जाती हैं। टीवी-अखबारों में भी इन सब की जानकारी दी जाती है। एक और बात बताऊं अंकल?'

'कौन-सी बात?' टी-स्टॉल वाले ने तुरंत पूछा।

हर्ष ने बताया, 'हमारे पापा-मम्मी दोनों ही शहर के जाने-माने वकील हैं।'

यह सुनकर वह आदमी घबराने की बजाय उल्टे बच्चों पर बिगड़ उठा, 'एक तो इस बच्चे की गरीबी पर रहम खाते हुए हमने नौकरी दी, ऊपर से तुम लोग मुझे ही अपराधी ठहरा रहे हो। चलो भागो यहां से वरना... ।'

'वरना क्या, हमें मारोगे? हम इसे आपके चुंगल से छुड़वाए बिना कहीं नहीं जाने वाले। हमारी बात मान लो वरना हम पुलिस को बुलाएंगे।' हर्ष कड़े स्वर में बोला।

'बुलाओ पुलिस ... जो भी करना है करो। बड़े आए हैं मुझको धमकाने। इस टी-स्टॉल पर न जाने कितने पुलिसवाले, वकील और तुम जैसे रोज आते हैं चाय पीने, उन्होनें कभी मुझे नहीं टोका।' टी-स्टॉल वाला बोला।

हर्ष तुरंत पास की एक परिचित दुकान में गया, वहां से फोन पर उसने पुलिस कंट्रोल रूम को पूरी घटना की जानकारी दी। कुछ देर बाद ही पुलिस की गाड़ी वहां आ गई। अब तो वहां खड़ी भीड़ को भी जोश आ गया। उन सबने टी-स्टॉल वाले के खिलाफ बोलना शुरू कर दिया। यश और हर्ष की होशियारी और हिम्मत के सामने टी-स्टॉल मालिक की एक न चली। उस कप-प्लेट धोने वाले बच्चे ने पुलिस को टी-स्टॉल के मालिक की सारी करतूतें बताईं। पुलिस वाले तुरंत उसे थाने ले गए और बच्चे को बाल सुरक्षा गृह में भिजवा दिया गया। यश और हर्ष की जागरूकता और हिम्मत के कारण उस अनाथ बच्चे को बाल मजदूरी से छुटकारा मिल गया।

अगले दिन सभी अखबारों में यश और हर्ष की बहादुरी और समझदारी की खबर उनकी तस्वीरों के साथ छपी थी। जिला प्रशासन ने दोनों भाइयों को 'नन्हे जागरूक नागरिक' सम्मान देने की घोषणा की। कई दिनों तक शहर में यश-हर्ष की चर्चा होती रही। *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

प्रेरित करती कहानियां

बाल कथाओं की एक किताब 'हारिए न हिम्मत' कुछ समय पहले छपकर आई है। इसमें नौ कहानियां और महान देशभक्त, क्रांतिकारी बिरसा मुंडा के जीवन की प्रमुख घटनाओं को संकलित किया गया है। इसके लेखक डॉ. दिनेश पाठक 'शशि' हैं। बच्चो, ये सभी कहानियां पढ़ने में रोचक तो हैं ही, इनसे तुम्हें अच्छे, समझदार और साहसी बनने की प्रेरणा भी मिलेगी। 'दादू आए खुशियां लाए' कहानी में रोहित की बाजारू खाना खाने की आदत को उसके दादाजी कैसे सुधारते हैं, इसे पढ़ सकते हो। किसी संकट के समय में भी धैर्य और साहस से दूसरे की मदद की जा सकती है, इसे 'हारिए न हिम्मत' कहानी में रोचक तरीके से बताया गया है। कुछ इसी तरह की कहानी 'पकड़ा गया चोर' है। इसमें नंदन कैसे बुद्धिमानी से चोर को पकड़वाता है, यह पढ़ सकते हो। दो भाइयों सागर, आकाश और उनकी पालतू बिल्ली किट्टी की मजेदार कहानी है 'और वह रोने लगी।' इस किताब में जानवरों पर आधारित भी दो कहानियां हैं। 'खों खों दादा सुधर गए' में गुस्सैल बंदर की कहानी है तो 'आलस का परिणाम बुरा' में डॉगी के बच्चे की कहानी है। इन सभी कहानियों को पढ़ने में तुम्हें बहुत मजा आएगा। *

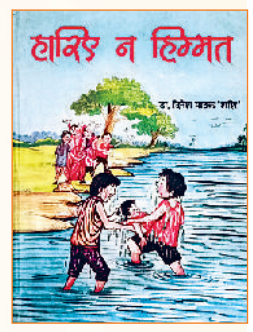

पुस्तक: हारिए न हिम्मत, **लेखक:** डॉ. दिनेश पाठक 'शशि', **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** जान्हवी प्रकाशन, दिल्ली

जीके क्विज-179

1. आईसीसी वूमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच कौन बनीं?
2. हाल ही में रायपुर में छत्तीसगढ़ के नए विधानसभा भवन का उद्घाटन किसने किया?
3. महाराष्ट्र में औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का नया नाम क्या रखा गया है?
4. वर्ल्ड चिल्ड्रेंस-डे कब मनाया जाता है?
5. विश्व मधुमेह दिवस (वर्ल्ड डायबिटीज डे) कब मनाया जाता है?
6. किस पशु को रेगिस्तान का जहाज भी कहा जाता है?
7. इन दिनों सोनपुर का मेला किस राज्य में चल रहा है?
8. 'ग्रैंड मास्टर' शब्द का संबंध किस खेल से है?
9. श्रीलंका की राजधानी कहां है?
10. महाराष्ट्र के वर्तमान मुख्यमंत्री कौन हैं?

बच्चो, जीके क्विज-179 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-178 का उत्तर : 1.दक्षिण अफ्रीका, 2.हरमनप्रीत कौर, 3.रोहित शर्मा, 4.साने तकाइची, 5.न्यायमूर्ति सूर्यकांत, 6.अमित शाह, 7.अवतल लेंस, 8.कार्बन डाइऑक्साइड, 9.ऑस्ट्रेलिया, 10.LVM3-M5 (बाहुबली रॉकेट)

जीके क्विज-178 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, चुनेंद्र-बालोद, रितेश-मटियारी, आद्या-मानपुर, मन्नत-कैथल, सौरभ-बालोद, प्रतीक-बलौदा बाजार, दिव्या-रोहतक, साकेत-महासमुंद, कमल-महेंद्रगढ़, रोशन-रायपुर

रंग भरो-189

रंग भरो-189 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

रितेश, मटियारी

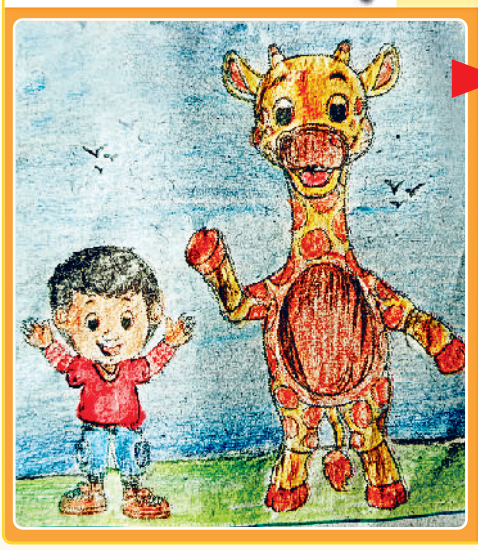

आशना, जांजगीर

प्रियांशु, रायपुर

ईशान, ई-मेल से

सूर्यांश, बिलासपुर

पराग, ई-मेल से

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

सुयश-बिलासपुर, प्रियंका-रायपुर, साकेत-भोपाल, हर्ष-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, चंपक-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, दिनेश-करनाल, रोहन-बिलासपुर, कोमल-कोरबा

रंग भरो 190

बच्चो, यहां गार्डन में साथ मिलकर दौड़ रहे बच्चों का एक प्यारा-सा ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

गायत्री मंत्र को प्रातःकाल में जाप करने से बुद्धि तीव्र होती है

पूंडरी। डीएवी पब्लिक स्कूल पूंडरी में आज गायत्री परिवार कैथल की तरफ से गायत्री महिमा को लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल की प्राचार्या साधना बख्शी ने की। इस अवसर पर गायत्री परिवार से भूपेंद्र सिंह रोहिल्ला विशेषरूप से आमन्त्रित हुए। प्राचार्या एवं स्टॉफ सदस्यों ने उनका स्वागत किया।

खेलकूद में अव्वल निष्ठा को किया सम्मानित

राजौंद। गांव रोहेडा की बेटी निष्ठा ने प्रदेश स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करके गांव का नाम रोशन किया। जीत किस इस खुशी में गांव रोहेडा में संमान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गांव की बेटी निष्ठा को पूरे गांव में डीजे की थाप पर खुशी जाहिर करते हुए नोटों की माला से बेटी निष्ठा का जोरदार स्वागत किया गया। डीजे कि थाप पर पूरे गांव में विजय जुलूस निकाला गया। जमकर रंग गुलाल उड़ाएं गए।

ज्ञान विज्ञान समिति के विपिन कालड़ा बने प्रधान

कैथल। हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति कैथल शहर इकाई का सम्मेलन हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता जयप्रकाश शास्त्री ने की और मंच संचालन जिला चिव रामफल मलिक ने किया। हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति के राज्य केंद्र के महासचिव सुरेश कुमार ने समिति के प्रोस्पेक्टिव को आज के हालात और हरियाणा ज्ञान विज्ञान आंदोलन इन हालातो में क्यों जरूरी है से जोड़ते हुए अपनी बात विस्तार से रखी। उन्होंने बताया समिति एक स्वयंसेवी संस्था है जो समाज के सहयोग से चलती है।

विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की शपथ

कैथल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मुंदड़ी में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रविंद्र हुड्डा तहसीलदार कैथल व खंड शिक्षा अधिकारी डॉक्टर नरेश कुमार ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों तथा उससे बचाव के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। रविंद्र कुमार तहसीलदार द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि यदि कोई व्यक्ति गैर कानूनी रूप से नशा करता है या बेचता है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 को दे।

शहर के वार्ड 4 में उखडी गली से निकलना हुआ दूभर

राजौंद। शहर के वार्ड 4 में लोगों को उबड़-खाबड़ गली से निकलना मुश्किल हो गया है। वार्ड निवासियों ने ने कहा कि गली में सिवरेज पाइपलाइन दबाने के बाद गली की कोई सुद नहीं ली गई, संबंधित विभाग व ठेकेदार द्वारा उखाड़ी गई गली की मरम्मत नहीं की गई। गली को बीच में ही छोड़ दिया है जिससे वह कई महीनों से इस समस्या से जूझ रहे हैं। दूसरा पानी की निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है और न हीसफाई की जा रही है जिस कारण पानी नालियों में ही भरा रहता है।

किसानों ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के एसीएस आईएएस डी. सुरेश पर भी लगाए गंभीर आरोप

धान घोटाले की 'काली जांच' पर भड़के किसान, काले कपड़े पहन फूटा गुस्सा

भ्रष्टाचार के मामलों में संलिप्त अधिकारियों को अहम जिम्मेदारियां सौंप कर घोटालों को बढ़ावा दे रही सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

प्रदेश में धान खरीद प्रक्रिया में हुए करोड़ों रुपये के घोटाले की निष्पक्ष जांच की मांग अब आंदोलन का रूप ले चुकी है। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के प्रदेश अध्यक्ष रतनमान के नेतृत्व में किसानों ने शुक्रवार को करनाल में काले कपड़े पहनकर जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रशासन और सरकार पर काली जांच के नाम पर सच्चाई दबाने का आरोप लगाया। किसानों ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के एसीएस आईएएस डी. सुरेश पर भी हमला बोला और गंभीर आरोप लगाए। किसानों ने आरोप लगाया कि सरकार भ्रष्टाचार के मामलों में संलिप्त अधिकारियों को बचा रही है और उन्हें अहम जिम्मेदारियां सौंप रही है। किसानों का कहना था कि जब तक धान घोटाले में शामिल सभी जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। किसानों ने नारेबाज़ी करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के आरोपी आईएएस डी सुरेश जैसे अधिकारी को इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर सरकार खुद घोटाले को बढ़ावा देना चाहती है। उन्होंने मांग की कि धान घोटाले की उच्च स्तरीय जांच की जाए और दोषी अधिकारियों को तुरंत निलंबित कर जेल भेजा जाए। वीरवार सुबह 11 बजे जाट धर्मशाला से काले कपड़े और काले बिल्ले लगाकर हजारों किसान पैदल मार्च करते हुए जिला सचिवालय पहुंचे। वहां उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर स्पष्ट चेतावनी दी कि अगर धान घोटाले की पारदर्शी जांच नहीं हुई तो राज्यव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। भाकियू प्रदेश अध्यक्ष रतनमान ने कहा कि किसानों के खून-पसीने की कमाई पर कुछ अफसर, बिचौलिए और राजनीतिक लोग डाका डाल रहे हैं। सरकार ने घोटाले की जांच को काली जांच में बदलकर दोषियों को बचाने की कोशिश की है। अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो किसान सडक़ों पर उतरकर पूरे प्रदेश को जगा देंगे। उन्होंने कहा कि मंडियों और खरीद केंद्रों पर लंबे समय से गड़बडिय़ों की शिकायतें दी जा रही थीं, लेकिन सरकार ने उन्हें नजऱअंदाज़ कर दिया। अब जब घोटाला उजागर हुआ है, तो उसे दबाने का खेल शुरू हो गया है। किसानों का कहना है कि आईएएस डी. सुरेश पर भ्रष्टाचार के आरोप लग चुके हैं, जिनकी जांच अभी पूरी भी नहीं हुई है। इसके बावजूद उन्हें खाद्य एवं आपूर्ति विभाग का मुखिया लगाकर बड़ी जिम्मेदारी सौंपे जाने से किसानों और आम जनता में गहरा रोष है।

कैथल। धान घोटाले की जांच को लेकर नारेबाजी करते भाकियू नेता व किसान। *फोटो : हरिभूमि*

संघर्ष जारी रहेगा

धान घोटा आंकड़ों के अनुसार

वर्ष	धान की आमद (मीट्रिक टन)
2024	54 लाख 1 हजार टन
2025	58 लाख 70 हजार टन

प्राकृतिक कारणों से धान की पैदावार में कमी

विभाग की रिपोर्ट में साफ है कि वर्ष 2025 में प्राकृतिक कारणों से धान की पैदावार में 25 से 30 प्रतिशत की कमी आई। ऐसे में धान की अपेक्षित आमद 40 लाख 50 हजार मीट्रिक टन रहनी चाहिए थी। यानी पिछले साल से 13 लाख 50 हजार टन कम। लेकिन उल्टा हुआ इस साल 4 लाख 69 हजार टन ज्यादा आमद दर्ज की गई। इस तरह 18 लाख 22 हजार मीट्रिक टन की फर्जी बढ़ोतरी दिखा दी गई है, जो मंडियों में फर्जी गेट पास काटकर की गई है। इस फर्जीवाड़े की कीमत 2389 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से करीब 4 हजार करोड़ रुपये बैठती है।

युवा महोत्सव झूमर-2025 में आरपीएस इंजि. कॉलेज बलाना बना विजेता

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ

आरपीएस कॉलेज बलाना में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी के सौजन्य से हरी-भरी वादियों, अरावली की शैल मालाओं के बीच 8वां तीन दिवसीय जोनल युवा महोत्सव झूमर का अंतिम दिन ऐतिहासिक उपलब्धियों के साथ संपन्न हुआ।

इस गौरवशाली महोत्सव में आरपीएस इंजिनियरिंग कॉलेज बलाना ने अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियन का खिताब जीतकर अपनी सर्वश्रेष्ठता को एकबार फिर से साबित कर दिया है। पूरे जोन के लगभग तीन हजार विद्यार्थी विभिन्न सात मंचों पर अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे थे। विभिन्न कॉलेजों से आए इन प्रतिभागियों ने 46 इवेंट्स प्रतियोगिता में भाग लिया, जिससे यह युवा महोत्सव भारतीय व हरियाणवी संस्कार व धरोहर को दर्शाने वाला एक भव्य मंच सिद्ध हुआ।

विश्वविद्यालय की तरफ से युवा महोत्सव विजेता महाविद्यालय को 21 हजार की राशि प्रदान की गई। कार्यक्रम में मुख्यातिथि इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. दिलबाग सिंह, विशिष्ट अतिथि आरपीएस चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, संस्था सीईओ इंजि. मनीष राव, संस्था डिप्टी सीईओ कुनाल राव, डॉ. करण सिंह डीएसडब्ल्यू, डॉ. अदिति शर्मा डीवाईडब्ल्यू एवं डॉ. सुशांत असिस्टेंट डॉयरेक्टर एडीवाईडब्ल्यू रहे। विशेष रूप से आमंत्रित अतिथि कॉलेज डायरेक्टर महेश यादव, रजिस्ट्रार डॉ. देवेन्द्र यादव, डीन प्रो. आरएस यादव, प्रिंसिपल डॉ. देवेन्द्र कादयान, डीन डॉ. हेमन्त कुमार रहे।

विद्यार्थी प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन रोड सेफ्टी एवं मेडिकल कैंप

कैथल। रेडक्रास सोसायटी द्वारा जाट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में चल रहे पांच दिवसीय विद्यार्थी प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन रोड सेफ्टी एवं मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इसमें जाट महाविद्यालय के प्राचार्य डा. दिनेश ढिल्लों ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। दिनेश ढिल्लों ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ एवं सशक्त राष्ट्र के निर्माण में युवा अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसलिए हमारा शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ होना बहुत जरूरी है। सभी युवा नशे से दूर रहें और अपनी ऊर्जा का सही दिशा में इस्तेमाल करें। इसके अलावा उन्होंने विद्यार्थियों से गरीब असहाय एवं जरूरतमंद की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया। जिला रेडक्रास सोसायटी कैथल के सचिव रामजी लाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और पांच दिवसीय शिविर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह शिविर डीसी एवं जिला रेडक्रास सोसायटी कैथल की अध्यक्ष प्रीति के कुशल मार्गदर्शन तथा भारतीय रेडक्रास सोसायटी राज्य शाखा हरियाणा चंडीगढ़ एवं जिला रेडक्रास सोसायटी कैथल के संयुक्त तत्वावधान में 14 नवंबर चलेगा।

मिशन बुनियाद व सुपर 100 कार्यक्रमों के ब्लॉक और स्कूल स्तर पर जागरूकता अभियान शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

शिक्षा विभाग ने मिशन बुनियाद और सुपर 100 कार्यक्रमों के ब्लॉक व स्कूल स्तर पर जागरूकता अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत आरोही मॉडल स्कूल ग्योंग में एबीआरसी व बीआरपी अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में स्कूल विजिट, रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया व विद्यार्थियों तक पहुंचने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रत्येक विद्यालय में जाकर 8वीं और 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों को जागरूकता वीडियो दिखाएं। उन्हें कार्यक्रम की जानकारी दें और वहीं पर उनका ऑनलाइन पंजीकरण करवाएं। बैठक में यह भी बताया कि पिछली कक्षा में 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए पंजीकरण अनिवार्य रहेगा, जबकि अन्य इच्छुक विद्यार्थी भी इसमें भाग ले सकेंगे। जिला विज्ञान विशेषज्ञ सुशील कुमार ने बताया कि अभियान के दौरान बच्चों को परीक्षा तिथि, पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्र के स्वरूप से भी अवगत कराया जाएगा, ताकि वे तैयारी के लिए पूरी तरह सक्षम बन सकें। मिशन बुनियाद और हरियाणा सुपर 100 के नए बैच से सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को नई दिशा, प्रेरणा और आत्मविश्वास मिलेगा। जिससे वे अपने बड़े सपनों को साकार करने की ओर कदम बढ़ा सकेंगे। इसका उद्देश्य सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे कक्षा 8वीं और 10वीं के प्रत्येक विद्यार्थी तक इन दोनों प्रमुख योजनाओं की जानकारी पहुंचाना और उन्हें समय पर रजिस्ट्रेशन के लिए प्रेरित करना है।

छात्रों को मिले योजना का लाभ

जिला शिक्षा अधिकारी सुरेश कुमार ने बताया कि विभाग अब इन उपलब्धियों को आगे बढ़ाते हुए नए बैच की शुरुआत कर रहा है, ताकि ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इन योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल पंजीकरण तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि बच्चों में यह विश्वास भी जगाएगी कि वे किसी भी बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं।

कैथल। राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर कैप्शन राइटिंग प्रतियोगिता में अव्वल रहे विद्यार्थी।

आरकेएसडी कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन

कैथल। आरकेएसडी कॉलेज, कैथल के अर्थशास्त्र विभाग एवं इंस्टिट्यूशन इनोवेशन काउंसिल की ओर से राष्ट्रीय शिक्षा दिवस बड़े उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कॉलेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष अश्वनी शोरवाला ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आज़ाद ने भारतीय शिक्षा प्रणाली की नींव को मजबूत बनाया और आज की नई पीढ़ी को चाहिए कि वे शिक्षा के क्षेत्र में उनके आदर्शों से प्रेरणा लें। प्राचार्य डॉ. गगन मित्तल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा दिवस स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि मौलाना आज़ाद का जीवन और उनके विचार आज भी शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रितु कांग वालिया ने किया। आरंभ में डॉ. सूरज वालिया ने प्राचार्य डॉ. गगन मित्तल का स्वागत किया और कार्यक्रम में समय निकालने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कैप्शन राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 60 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. विनय सिंघल, डॉ. रचना सरदाना, डॉ. रितु वालिया, विशाल गर्ग और नीलम भाटिया द्वारा किया गया। एम.कॉम अंतिम वर्ष की छात्रा पूजा ने राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के इतिहास पर एक रोचक एवं जानकारीपूर्ण प्रेजेंटेशन प्रस्तुत की, जिसके माध्यम से उन्होंने सभी को इस दिवस के महत्व से अवगत कराया।

हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 के विजेताओं के नाम

प्रथम पुरस्कार (कार, 1 नग)

1. ब्रिज शंकर सुपुत्र श्री मानव लाल आहूजा, न्यू मॉडल टाऊन, हिसार

द्वितीय पुरस्कार (स्कूटी, 2 नग)

1. नैनिका मौर्या सुपुत्री श्री उत्कर्ष मौर्या, हालू बाजार, भिवानी
2. उदयभान सुपुत्र श्री देवदत्त शुक्ला, लाईन पार एरिया, बहादुरगढ़

तृतीय पुरस्कार (एलईडी टीवी, 2 नग)

1. श्रीमति मंजू पत्नी श्री विनोद कुमार, म.नं. 1564, एनएचबी कॉलोनी, रोहतक
2. समर तायल सुपुत्र श्री भुनेश्वर तायल, आदर्श नगर, महेन्द्रगढ़

चौथा पुरस्कार (रेफ्रीजरेटर, 2 नग)

1. दरिया सिंह सुपुत्र श्री हरिराम, 232/28, मालवीय नगर, सोनीपत
2. प्रथम कुमार साहू सुपुत्र श्री दिवांकर साहू, नजदीक तालाब चौक, झज्जर

पांचवा पुरस्कार (वाशिंग मशीन, 2 नग)

1. जितेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री बिशम्बरदयाल, गौतम नगर, रेवाड़ी
2. रेयांश माथुर सुपुत्र श्री प्रेमलाल माथुर, रतिया रोड़, फतेहाबाद

छठा पुरस्कार (माईक्रोवेव ऑवन, 3 नग)

1. आरती, म. नं. 119, धर्मबीर कॉलोनी, वार्ड नं. 3, घरौंडा, करनाल
2. महासिंह सुपुत्र श्री रणजीत सिंह, राजनगर, कैथल रोड, जीन्द
3. श्री दलबीर सिंह सुपुत्र कपूर सिंह, वार्ड नं. 1, हिसार बाईपास, शास्त्री नगर, रोहतक

सातवां पुरस्कार (गैस स्टोव (2 बर्नर), 3 नग)

1. सीमा धर्मपत्नी श्री राकेश जुलाना, जीन्द
2. लक्ष्मण दास नम्बरदार पुत्र श्री कंवरभान, दुजाना, बेरी, झज्जर
3. राम निवास सुपुत्र श्री बिरजू, गांव माजरा, भाखली, रेवाड़ी

आठवां पुरस्कार (इंडक्शन कुक टॉप, 5 नग)

1. श्री सोमदत्त त्यागी सुपुत्र श्री मनजीत राम त्यागी, 449 बी, ओल्ड डीसी रोड, सोनीपत
2. श्रीमति ओमवति सुपुत्र भूप सिंह, गांव व डा. बलंभा, तह. महम, रोहतक
3. सचिन सुपुत्र श्री रत्तन लाल, मौहल्ला मिराजी, शिव नगर, वार्ड नं. 20, नारनौल, महेन्द्रगढ़
4. आदित्य वर्मा पुत्र श्री भीम सिंह निवासी निवासी सुहासरा, लोहारू, जिला भिवानी
5. राजबीर, श्री वीर सहाय, भट्टू रोड, मुलाना सिनेमा, फतेहाबाद

नौंवा पुरस्कार (रुम हीटर, 5 नग)

1. लेखपाल सुपुत्र श्री रामदिया, बख्तावरपुर, सोनीपत
2. चेतना देवी धर्मपत्नी श्री नरेन्द्र, महराना, झज्जर
3. चन्द्रभान पुत्र श्री रतन सिंह, निवासी दुल्हेड़ा, जिला झज्जर
4. फिलीना गाहलयान पुत्री श्री जितेन्द्र सिंह, मकान नं. 11, पार्क कालोनी, भिवानी
5. रोहताश पुत्र श्री रामचन्द्र निवासी गांव दौलतपुर जिला हिसार

दसवां पुरस्कार (प्रेशर कूकर, 5 नग)

1. दीपांशु सुपुत्र श्री दुष्यंत कुमार, गांव गोलिका, मनेठी, रेवाड़ी
2. श्री रणधीर सिंह सुपुत्र चेतन सिंह, वार्ड 6, कलानौर, रोहतक
3. राधा कृष्ण पुत्र श्री सूरजभान, मकान नं. 1446/12 क्वार्टर रोड, शिव मंदिर के पास, हिसार
4. राजबीर सिंह पुत्र श्री होश्यार सिंह, गांव बामनौली, बहादुरगढ़, जिला झज्जर
5. सुरेश कुमार सुपुत्र श्री मुखराम प्रजापत, वार्ड नं. 6, पुराना बाजार, नांगल चौधरी, महेन्द्रगढ़

आवश्यक सूचना

1. सभी पुरस्कारों का वितरण 1 दिसम्बर 2025 से किया जाएगा।
2. पुरस्कार संख्या 1 से 3 तक के विजेताओं को हरिभूमि मुख्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, रोहतक से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
3. पुरस्कार संख्या 4 से 13 उपहार के विजेताओं को संबंधित हरिभूमि कार्यालय अभिकर्ता से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
4. यदि किसी भी पुरस्कार पर सरकार के नियमानुसार टी.डी.एस. लागू होगा तो विजेता को लागू टी.डी.एस. की राशि हरिभूमि कार्यालय में एडवांस में जमा करनी होगी।
5. पुरस्कार प्राप्त करने के लिए आपको अपने साथ पुरस्कार विजेता की फोटो आईडी की फोटो प्रति जमा करनी होगी। मूल प्रति को मिलान हेतु साथ में लाना अनिवार्य है।
6. अधिक जानकारी के लिए आप निम्न नम्बरों पर हरिभूमि प्रसार विभाग में प्रातः 11.00 से सायं 4.00 बजे तक सम्पर्क कर सकते हैं :- फोन : 9253681019-20

- कार्यालय पता -

हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

कार्यक्रम हिंद की चादर लाइट एंड साउंड शो का हुआ भव्य आयोजन

गुरु तेग बहादुर जी ने मानवता व धर्म की स्वतंत्रता के लिए दिया महान बलिदान : रणबीर गंगवा

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आरकेएसडी कॉलेज में आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

हरियाणा आर्ट एवं कल्चर विभाग की ओर से जिला प्रशासन के सौजन्य में कैथल के आरकेएसडी कॉलेज परिसर में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित एक अत्यंत भव्य हिंद की चादर लाइट एंड साउंड शो का आयोजन किया गया। इसमें लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में पूंडरी विधायक सतपाल जांबा व भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी ने भाग लिया। सभी गणमान्य व्यक्तियों ने गुरु तेग बहादुर जी के जीवन को मानवता और धर्म की स्वतंत्रता के लिए दिया गया एक महान बलिदान बताया और उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि यह कार्यक्रम गुरु तेग बहादुर जी के जीवन आदर्शों, त्याग, बलिदान और अमर विरासत को समर्पित है।

हिंद की चादर लाइट एंड साउंड शो

आज जिस हिंद की चादर लाइट एंड साउंड शो का आयोजन किया गया है, यह शो हरियाणा सरकार का गुरु जी के जीवन, उनकी शिक्षाओं और उनकी शहादत को नई पीढ़ी तक आधुनिक और प्रभावी तरीके से पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

गुरु तेग बहादुर का जीवन हम सब के लिए प्रेरणा

विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि गुरु तेग बहादुर का जीवन हम सब के लिए प्रेरणा का स्रोत है। गुरु तेग बहादुर जी ने सिर दे दिया, लेकिन धर्म को झुकने नहीं दिया। उनका यह बलिदान हमें यह सीखाता है कि सत्य का मार्ग कठिन हो सकता है, पर वही अमरता का मार्ग है।

गुरु साहिब के त्याग, शौर्य व मानवीय मूल्यों दिया संदेश

इस शो में आधुनिक तकनीक, लेजर लाइट्स और 3डी प्रोजेक्शन का उपयोग करके हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी के पूरे जीवन, उनकी शिक्षाओं और विशेष रूप से मानवाधिकारों की रक्षा के लिए दिए गए उनके अद्वितीय बलिदान को बेहद प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया।

खबर संक्षेप

वाणिज्य छात्रों के लिए करियर के कई अवसर

जींद। राजकीय महाविद्यालय अलेवा के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं वाणिज्य सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में करियर काउंसलिंग विषय पर एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन किया गया। प्राचार्य मनीष कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उप प्राचार्या सुनीता दुग्गल ने बताया कि मुख्य वक्ता राजकीय महाविद्यालय से सहायक प्राध्यापक डा. ज्योति लडवाल ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि वाणिज्य के विद्यार्थियों के लिए करियर के कई अवसर उपलब्ध हैं।

हिंदू कन्या कालेज में फ्री चेकअप कैंप आयोजित

जींद। हिंदू कन्या कालेज के यूथ रेडक्रॉस एवं जींद हार्ट हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में फ्री चेकअप कैंप का आयोजन हैबतपुर गांव की सैनी धर्मशाला में प्रातः 10 बजे किया गया। कैंप की संयोजिका डा. सीमा दलाल, कन्वीनर यूथ रेडक्रॉस एवं विनय कुमार थे। प्राचार्या डा. पूनम मोर ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि रेडक्रॉस के माध्यम से गांववासियों को मुफ्त चिकित्सा प्रदान करना मानवता की सबसे बड़ी सेवा है।

हमारी प्राचीन संस्कृति की प्रतीक है गंगा

जींद। असमर्थ महिला कल्याण ट्रस्ट के संस्थापक रामनिवास अहिरका ने कहा कि गंगा, गाय, गीता और गायत्री हमारी संस्कृति के चार प्रमुख स्तंभ हैं। गंगा उत्तरांचल में हिमालय के गोमुख से निकल कर बंगाल की खाड़ी तक लगभग 2525 किलोमीटर लंबी पवित्र नदी है। गोमुख से लाया गंगाजल शीशी में रखने से लंबे समय तक खराब नहीं होता है। सरकार के साथ श्रद्धालुओं का भी कर्तव्य है कि वे गंगा को पवित्र रखने में सहयोग दें।

बाल दिवस के उपलक्ष्य में विशेष सभा का आयोजन

जींद। मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय के प्रांगण में बाल दिवस के उपलक्ष में भव्य प्रातःकालीन सभा एवं सैपलिंग शाखा में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूरे विद्यालय में बच्चों की मुस्कान, उत्साह और ऊर्जा ने वातावरण को उल्लासमय बना दिया। यह दिन हमारे प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के रूप में पूरे देश में बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। जिन्हें बच्चे स्नेहपूर्वक चाचा नेहरू कहकर पुकारते हैं।

सुनार सभा ने की अखंडता बनाए रखने की अपील

जींद। मैढ़ सुनार सभा ने देश विरोधी ताकतों द्वारा पिछले दिनों दिल्ली में कार ब्लास्ट करके निर्दोष लोगो की निर्मम हत्या करने की निन्दा करते हुए जनता से देश की एकता तथा अखण्डता बनाए रखने की अपील की है। प्रधान सत्यनारायण सोनी ने बताया कि समाज की एकजुटता तथा भाईचारे को मजबूत करने पर विचार-विमर्श के लिए मैढ सुनार सभा जींद का त्रिवार्षिक प्रतिनिधि सम्मेलन 16 नवंबर को जींद में होगा।

गांव चांदपुर व आसपास के छात्रों ने की बस स्टैंड पर बस रुकवाने की मांग

बसें न रुकने से चांदपुर के छात्रों ने जींद-कैथल मार्ग पर लगाया जाम

पुलिस अधिकारी के आश्वासन पर करीब एक घंटे बाद खोला जाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अलेवा

अलेवा। चांदपुर गांव के मुख्य बस स्टैंड पर जाम लगाते छात्र।

गांव चांदपुर और आसपास के छात्रों ने वीरवार को बस स्टैंड पर बस रुकवाने की मांग को लेकर जींद-कैथल मार्ग पर अवरोधक डालकर गांव के मुख्य बस स्टैंड पर जाम लगा दिया। जाम की सूचना मिलते ही नगूरां पुलिस से एसआइ जयबीर सिंह मौके पर पहुंचे और सुबह के समय गांव के बस स्टैंड पर पुलिस गाड़ी लगाकर छात्रों को बसें रूकवाने का आश्वासन देकर करीब एक घंटे से लगे जाम को खुलवाया। जाम के कारण संड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी-लंबी लाइने लग गई। जाम लगने से वाहनों चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जाम लगा रहे चांदपुर तथा आसपास गांव के छात्रों ने बताया कि प्रतिदिन शिक्षण संस्थानों में जाने के लिए गांव के बस स्टैंड पर पहुंच रहे हैं, लेकिन बस चालक छात्रों को देखकर तेज गति से बसों को ले जाते हैं। जिससे हादसा होने का खतरा बना रहता है। रोडवेज के चालक इतनी मनमर्जी पर उतर आए हैं कि वे बसों को बस स्टैंड पर रोकते ही नहीं हैं। छात्रों ने बताया कि इस बारे में कई बार पंचायत तथा छात्रों द्वारा रोडवेज प्रबंधन को अवगत कराया जा चुका है। लेकिन आज तक उनकी समस्या का हल नहीं हो पाया। रोडवेज का पास बनवाने के बाद ही रोडवेज प्रबंधन बसों के रुकवाने की व्यवस्था नहीं करता है। छात्रों ने कहा कि बस न रोकने की समस्या कोई आज की नहीं है। समस्या कई महीने से जारी है और रोडवेज प्रबंधन इस और बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहा है। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारी ने छात्रों की समस्या का तुरंत प्रभाव से हल करवाने का आश्वासन देकर छात्रों को शांत किया।

अधिकारी नहीं दे रहे ध्यान : सरपंच

चांदपुर गांव के सरपंच राजेश नरवाल ने बताया कि शामदों तथा गांव के बस स्टैंड पर सरकारी बसें रूकवाने को लेकर पंचायत जींद रोड़वेज अधिकारियों से मिल चुकी है लेकिन उनके द्वारा मामला कैथल रोड़वेज का बताकर उनकी शिकायत कैथल भेजने की बात कही जाती है, लेकिन अभी तक छात्रों की समस्या का समाधान नहीं हुआ है। जिसके कारण छात्रों को मजबूरी में जाम लगाने पर विवश होना पड़ा। सरपंच ने रोड़वेज अधिकारियों से गांव के मुख्य स्टैंड पर बसें रूकवाने की मांग की है ताकि छात्र-छात्राएं शिक्षण संस्थानों में समय पर पहुंच सके।

प्रदेशभर से 388 बसों की मांग

जींद डिपो से 35 बसें जाएंगी सोनीपत के गांव बड़खालसा

- दादा कुशाल सिंह दहिया के बलिदान दिवस पर कार्यक्रम में सीएम होंगे मुख्य अतिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद बस अड्डा।

सोनीपत के गांव बडख़ालासा निवासी दादा कुशाल सिंह दहिया का बलिदान दिवस संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के रूप में राजीव गांधी एजुकेशन सिटी राई में 14 नवंबर को मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सैनी मुख्यअतिथि रहेंगे। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को लाने व से जाने के लिए प्रदेशभर से 388 बसों की मांग की गई है। इसमें जींद डिपो से 35 बसों को शामिल किया गया है। जींद डिपो में इस समय लगभग 170 बस हैं। 35 बस जाने पर यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। 14 नवंबर को राई कार्यक्रम के लिए परिवहन सोनीपत के महाप्रबंधक को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

जीएम को निर्देश

निदेशालय ने सभी महाप्रंधक को पत्र जारी कर निर्देश दिए हैं कि सभी बसों के साथ समन्वयक जरूर हो, जो आमजन को वापसी तक उनके स्थान तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। प्रत्येक बस के साथ आने वाले समन्वयक का नाम व मोबाइल नंबर की सूची मुख्यालय को भिजवाना सुनिश्चित करें। सभी संबंधित महाप्रबंधक आगार स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करेंगे। जो हरियाणा राज्य परिवहन सोनीपत महाप्रबंधक जिला प्रशासन से सपंर्क कर बसें उपलब्ध करवाएंगें। इनकी संख्या आवश्यकता अनुसार घटाई या बढ़ाई भी जा सकती है।

पुलिस ने पुल के निकट घेरा था आरोपी को

रिषी हत्याकांड में फरार चल रहा आरोपित गिरकर घायल

- हत्या समेत अन्य अपराधिक मामले दर्ज हैं आरोपित पर

जींद। घायल रोहित को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल लाते हुए पुलिसकर्मी।

जींद। रिषी हत्याकांड में फरार चले रहे आरोपित को सीआईए स्टाफ ने गांव हैबतपुर नेशनल हाइवे पुल के निकट से काबू कर लिया। धरपकड़ के दौरान भागने की कोशिश के दौरान आरोपित गिर कर घायल हो गया। घायल आरोपित को नागरिक अस्पताल में भरती करवाया गया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। सीआईए स्टाफ को सूचना मिली थी कि गांव पौली के निकट गांव राजपुरा भैण निवासी रिषी की गोली मार कर हत्या करने का फरार चल रहा आरोपित उचाना कलां निवासी रोहित उर्फ अंग्रेज हैबतपुर हाइवे पुल पर खडा हुआ है। सूचना के आधार पर सीआईए प्रभारी मनीष कुमार ने पुलिसबल के साथ आरोपित को घेर लिया। पुलिस की धरपकड़ से बचने के लिए आरोपित ने भागने की कोशिश की। उसी दौरान आरोपित गिरकर घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए नागरिक अस्पताल मे भरती करवाया गया।

काबिलेगौर है कि गत छह जुलाई शाम को गांव राजपुरा भैण निवासी रिषी की कुछ बदमाशों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी।

स्टेट खो-खो के लिए ज़िला टीम का चयन 16 नवंबर को होगा

कैथल। ज़िला कैथल सब जूनियर व जूनियर खो खो टीम (लड़के व लड़कियां) का चयन 16 नवंबर को सुबह 10 बजे नरडांचल सीनियर सेकेंडरी स्कूल नरड़ में किया जाएगा। खो-खो संघ कैथल के प्रधान अलबाद सिंह राणा ने बताया कि चयनित टीम हरियाणा सब जूनियर स्टेट खो खो चैंपियनशिप (2025-26)29,30 नवम्बर को ज़िला भिवानी में भाग लेंगी व वही जूनियर वर्ग की टीम 6,7 दिसम्बर को जिला कैथल के नीलम यूनिवर्सिटी में होने वाली जूनियर प्रतियोगिता में भाग लेगी। एसोसिएशन कैथल के महासचिव एडवोकेट बृष भान व नरडांचल स्कूल के एमडी सुरेश नैन ने बताया कि सब जूनियर ०जूनियर खो - खो ट्रायल में खिलाड़ियों का चयन खिलाड़ियों की योग्यता के अनुसार किया जाएगा वह ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की जन्म तिथि 1 फरवरी 2012 सब जूनियर के लिए रहेगी तथा 1 जनवरी 2008 जूनियर वर्ग के लिए रहेगी।

संसद भवन का भ्रमण ...

जींद। इंडस पब्लिक स्कूल पिल्लूखेड़ा के छात्रों ने एक शैक्षणिक भ्रमण के तहत नई दिल्ली स्थित संसद भवन का दौरा किया। इस दौरान छात्रों ने नए और पुराने दोनों संसद भवनों को देखा तथा भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था, संसदीय कार्यप्रणाली और संसद के विभिन्न हिस्सों के बारे में जानकारी प्राप्त की। यह भ्रमण छात्रों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। छात्रों ने संसद की भूमिका, विधेयकों की प्रक्रिया आदि कार्यों के बारे में समझ विकसित की।

विदेश भेजने का झांसा देकर हड़पे बीस लाख

जींद। वर्क वीजा पर विदेश भेजने का झांसा देकर बीस लाख रुपये हड़पने पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

हाउसिंग बोर्ड निवासी आशीष ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रोजगार की तलाश में वह विदेश जाना चाहता था। जिसके चलते उसका संपर्क वर्ष 2023 में अजमेर से हुआ। जिसने बताया कि वह वर्क वीजा पर विदेश भेजता है और वहां पर काम भी दिलाता है। पूर्व में वह कई बच्चों को विदेश भेज चुका है। जिसके चलते वह आरोपित के झांसे में आ गया। उसने दिसंबर 2023 को आरोपित अजमेर को अपने दस्तावेज दे दिए।

मरीज की मौत पर परिजनों ने काटा बवाल, पुलिस ने आकर किया शांत

- मृतक दो दिन से सफीदों के निजी अस्पताल में था उपचाराधीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। परिजनों को समझाते हुए डीएसपी। फोटो : हरिभूमि

सफीदों के निजी अस्पताल में बीमार व्यक्ति की मौत होने पर परिजनों तथा पडोसियो ने जमकर बवाल काटा। परिजनों ने आरोप लगाया कि चिकित्सक की लापरवाही के कारण व्यक्ति की मौत हुई है। परिजनों के बिफरने की सूचना पाकर डीएसपी गौरव शर्मा मौके पर पहुंच गए और हालातों जायजा लेकर परिजनों को शांत किया।

गांव सिंघाना निवासी ओमप्रकाश (53) को बुखार के चलते सफीदों के निजी अस्पताल में बुधवार को भर्ती करवाया गया था। वीरवार दोपहर बाद इलाज के दौरान ओमप्रकाश की मौत हो गई। जिस पर परिजन बिफर गए और शव को बाहर रख कर हगांमा कर दिया।

रेफर नहीं किया

उन्होंने कहा कि वे सुबह से तबीयत मे सुधार न होने पर रेफर करने की बात कह रहे थे लेकिन चिकित्सक ने उसे रेफर नही किया। अब मौत होने पर नागरिक अस्पताल ले जाने का पर्चा थमा दिया। वहीं चिकित्सक का कहना था कि मरीज की प्लेटलेट काफी कम थी। शुगर भी ज्यादा थी। सूचना पाकर डीएसपी गौरव शर्मा मौके पर पहुंच गए और परिजनों को मामले की जांच का आश्वासन देकर शांत किया। जिसके बाद परिजन शव को ले जाने की राजी हुए। शहर थाना प्रभारी दिनेश ने बताया कि इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

बीबीपुर में तीन दिवसीय ऑल इंडिया हैंडबाल टूर्नामेंट आज से

जींद। राजेंद्र सिंह, सतबीर सिंह खेल समिति जींद द्वारा 14 नवंबर से बीबीपुर गांव में तीन दिवसीय चौथी ऑल इंडिया राजेंद्र सिंह, सतबीर सिंह मैमोरियल हैंडबाल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 51 हजार, द्वितीय पुरस्कार 31 हजार तथा तृतीय पुरस्कार 21 हजार रुपये दिया जाएगा। समिति के प्रधान डीपीई राजेंद्र सैनी, सचिव सन्नी पटवारी, कोषाध्यक्ष चिराग ढांडा तथा उपप्रधान प्रदीप मलिक ने जानकारी देते हुए बताया कि समिति द्वारा हैंडबाल कोच राजेंद्र सिंह तथा सतबीर सिंह की याद में 14 नवंबर से तीन दिवसीय चौथी ऑल इंडिया हैंडबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में एयर फोर्स, नेवी, आर्मी, रेलवे, एसएसबी, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा सहित देशभर से हैंडबाल की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता में काफी रोचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

संस्था ने 'थाली में उतना ही लें, जितना खा सकें' मुहिम की शुरू

- वन अर्थ, वन फैमिली संस्था ने शुरू की मुहिम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। खाली थाली के साथ बच्चों की सेल्फी लेते अश्विनी।

वन अर्थ वन फैमिली संस्था बच्चों में अन्न के प्रति सम्मान और संस्कार जगाने का अभियान चला रही है। गुरूवार को संस्था के अध्यक्ष अश्वनी ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य है बच्चों को यह सिखाया जाए कि अन्न का अपमान न करें और भोजन की बर्बादी को रोकें। इसी को लेकर संस्था की विशेष मुहिम सेल्फी विद देखो मेरी खाने की थाली साफ है, मैं अन्न का अपमान नहीं करता के जरिये बच्चों को प्रेरित किया जा रहा है कि वे थाली में उतना ही लें जितना खा सकें। संस्था इस दिशा में शादी, पार्टियों और धार्मिक आयोजनों में जाकर लोगों को जागरूक कर रही है। अभी तक दर्जनों कार्यक्रमों में इस मुहिम को आगे बढ़ा रही है।

अन्न की बर्बादी

अश्वनी जिज्ञासु ने बताया कि शाद, पार्टी, जागरण और विशेष कार्यक्रमों में अन्न की भारी बर्बादी होती है। एक कार्यक्रम में जहां लगभग एक हजार लोगों के लिए भोजन बनता है, उसमें से 150 से 200 लोगों का खाना वेस्ट हो जाता है। यह अन्न का अपमान है। क्योंकि इस भोजन को उगाने में किसान की कड़ी मेहनत लगती है। संस्था इस दिशा में शादी, पार्टियों और धार्मिक आयोजनों में जाकर लोगों को जागरूक कर रही है। बच्चों में देने के संस्कार विकसित करने के लिए संस्था ने कई स्कूलों में अभियान चलाया है।

जुलाना की मंडी में धान की आवक तेज आज मंडी रहेगी बंद, होगा केवल उठान

जुलाना। जुलाना अनाज मंडी में इन दिनों धान की आवक जोरों पर है। किसानों द्वारा लगातार की जा रही आवक से मंडी में धान के ढेर लग गए हैं। स्थिति यह है कि पिछले छह दिनों में से तीन दिन मंडी बंद रहने के बावजूद मंडी पूरी तरह धान से भरी हुई है। अबतक कुल 7,85,738 क्विंटल धान की आवक दर्ज की जा चुकी है। जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 18 प्रतिशत अधिक है। शुक्रवार को मंडी में खरीद कार्य बंद रहेगा और केवल उठान का कार्य किया जाएगा। आढ़तियों के अनुसार मंडी में जगह की कमी के चलते यह निर्णय लिया गया है ताकि पहले से आई फसल को समय पर उठाया जा सके। मंडी में बासमती 1121 की दर 3210 से 3910 रुपये प्रति क्विंटल रही। जबकि 1509 किस्म की कीमत 2810 से 3010 रुपये प्रति क्विंटल के बीच रही है। अन्य फसलों में बाजरा की कुल आवक 6797 क्विंटल रही। जो पिछले वर्ष की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक है।

शिक्षक की भूमिका सदैव समाज निर्माण की रहेगी

- बीईओ रणपाल श्योकंद ने संभाला कार्यभार

उचाना। बीईओ रणपाल का कार्यभार संभालने पर स्वागत करते हुए शिक्षाविद रामचंद्र अत्री।

उचाना। राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल उचाना कलां प्रांगण में स्थित खंड शिक्षाअधिकारी कार्यालय में अलेवा से ट्रांसफर होकर आए बीईओ रणपाल श्योकंद ने कार्यभार संभाला। अध्यक्षता प्रसिद्ध शिक्षाविद एवं उचाना सेवा ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य रामचंद्र अत्री की। मंच संचालन मा. रामप्रसाद ने किया। सुनील दत्त आर्य, साहिल हरियाणवी के गीतों ने कार्यक्रम में पहुंचे लोगों का मन मोहा। रामचंद्र अत्री ने कहा कि शिक्षक की भूमिका समाज में सदैव निर्माण की रहेगी। एक अच्छा शिक्षक एक विद्यार्थी का निर्माण करके समाज की नींव पक्की करता है। विद्यार्थी का सर्वांगिण विकास ही एक अच्छे शिक्षक का उद्देश्य होता है। रणपाल श्योकंद स्थानीय होने के साथ-साथ उचाना के प्रतिष्ठित परिवार से संबंधित है।

उम्मीद भाकियू के राष्ट्रीय सलाहकार अजीत सिंह बोले, किसानों पर चारों तरफ से मार पड़ रही

पीड़ित किसानों ने नुकसान को देखते हुए पोर्टल पर मुआवजे की मांग की थी

धान घोटाले के बीच फंसकर न रह जाए किसानों का मुआवजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पाई

मामले की जांच करवाए सरकार

उन्होंने बताया कि आढ़तियों, राइस मिल वालों सरकार द्वारा तय किसानों की फसल का सारा पोर्टल प्रयोग कर लिया है, जिससे अब किसानों की धान की फसल का उत्पादन 35 क्विंटल यानी लगभग 90 हजार रुपए प्रति एकड़ का दिखा दिया। अब सरकार सोच रही है कि इतना उत्पादन होने पर किसान को नुकसान नहीं हुआ। जबकि असलियत कुछ और है। यह उत्पादन केवल फर्जी गेट पास यानी धान घोटाले से हुआ है। इसकी जांच होनी चाहिए और सरकार किसानों को हुते नुकसान का मुआवजा दे।

धान घोटाले से किसानों पर बहुत भारी मार पड़ी है। धान घोटाले के चलते मुआवजा मिलने की आशा भी धूमिल प्रतित होती जा रही है। किसानों ने धान घोटाले की जांच करवा कर मुआवजा देने या आढ़तियों व राइस मिल मालिकों से दिलवाने की मांग की है। भाकियू के राष्ट्रीय सलाहकार अजीत सिंह हाबड़ी ने बताया कि अब इस सरकार में किसानों पर चारों तरफ से मार पड़ी है। उन्होंने बताया कि पहले किसानों की धान की फसल में बौने पौधे रहने की बिमारी आई। उसके बाद रही सही कसर बरसात व हल्दी फंगस की बिमारी ने निकाल दी। उन्होंने बताया कि इस बार किसानों की धान की फसल का उत्पादन केवल 20-30 प्रतिशत ही हुआ है। किसानों ने सत्तर अस्सी हजार रुपए प्रति एकड़ ठेके पर लेकर धान लगाई थी और लगभग तीस चालीस हजार रुपए प्रति एकड़ खेती पर खर्च भी आया था, परन्तु फसल केवल बीस तीस हजार रुपए प्रति एकड़ की ही निकली। किसानों को पचास साठ हजार रुपए प्रति एकड़ का नुक़सान हुआ है। किसानों ने नुक़सान को देखते हुए पोर्टल पर मुआवजे की मांग की थी। सरकार को वैसे भी गिरदावरी करवा कर मुआवजा देने की मांग की थी।

मंडियों में धान खरीद प्रक्रिया पारदर्शी व सुचारू रूप से जारी

जींद। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि जिला प्रशासन किसानों के हितों की सुरक्षा और मंडियों में पारदर्शी खरीद व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। धान खरीद सीजन के दौरान किसानों की सुविधा के लिए मंडियों में सभी जरूरी प्रबंध किए गए हैं ताकि किसी को किसी तरह की परेशानी न हो। डीसी ने बताया कि अब तक जिले में कुल 2,00,293 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। इनमें नरवाना मंडी में 95,161 मीट्रिक टन, उचाना में 18,645 मीट्रिक टन, सफीदों में 20,708 मीट्रिक टन, धमतान में 26,326 मीट्रिक टन, पिल्लूखेड़ा में 12,581 मीट्रिक टन, अलेवा में 6,760 मीट्रिक टन, गढ़ी में 9,725 मीट्रिक टन, खरल में 4,154 मीट्रिक टन, मंगलपुर में 1,861 मीट्रिक टन, नगूरां में 2,067 मीट्रिक टन, जींद मंडी में 1,314 मीट्रिक टन और काबरछा में 991 मीट्रिक टन धान की खरीद दर्ज की गई है। सरकारी एजेंसियों द्वारा भी खरीद कार्य पूरी पारदर्शिता और कुशलता के साथ जारी है। फूड विभाग ने 1,23,322 मीट्रिक टन, हैफेड ने 41,958 मीट्रिक टन और एचडब्ल्यूसी ने 35,013 मीट्रिक टन धान की खरीद की है। किसानों को भुगतान समय पर और सीधे उनके बैंक खातों में किया जाएए ताकि उन्हें किसी तरह की दिक्कत न हो। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे धान को अच्छी तरह सुखा कर और साफ. सुथरा करके ही मंडी में लाएं।

- किसानों के हितों की रक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क : डीसी